शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापूर, महाराष्ट्र

दूरशिक्षण केंद्र

बी. ए. भाग-3 : हिंदी

सत्र 5 : पेपर 10 (DSE-E 9) और सत्र 6 : पेपर 15 (DSE-E 134)

प्रयोजनमूलक हिंदी

(शैक्षिक वर्ष जून 2021-22 से)

Scanned by CamScanner

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

महाराष्ट्र

दूरशिक्षण केंद्र

सत्र–5 पेपर 10 (DSE- E9)

सत्र–6 पेपर 15 (DSE- E134)

प्रयोजनमूलक हिंदी

(शैक्षिक वर्ष 2021-22 से)

बी. ए. भाग–3 हिंदी

Scanned by CamScanner

© कुलसचिव, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (महाराष्ट्र)
प्रथम संस्करण : 2021
बी. ए. भाग 3 (हिंदी : बीजपत्र-10 और 15)
सभी अधिकार विश्वविद्यालय के अधीन। शिवाजी विश्वविद्यालय की अनुमति के बिना किसी भी सामग्री की नकल न करें।

प्रतियाँ : 300

■

प्रकाशक :
डॉ. व्ही. एन. शिंदे
प्रभारी कुलसचिव,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर - 416 004.

■

मुद्रक :
श्री. बी. पी. पाटील
अधीक्षक,
शिवाजी विश्वविद्यालय मुद्रणालय,
कोल्हापुर - 416 004.

■

ISBN- 978-93-92887-32-1

★ दूरशिक्षण केंद्र और शिवाजी विश्वविद्यालय की जानकारी निम्नांकित पते पर मिलेगी-
शिवाजी विश्वविद्यालय, विद्यानगर, कोल्हापुर-416 004. (भारत)

Scanned by CamScanner

दूरशिक्षण केंद्र,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर ।

	सत्र 5	सत्र 6
★ **डॉ. क्षितिज धुमाळ** दादासाहेब जोतीराम गोडसे आर्टस, कॉमर्स, सायन्स कॉलेज, वडूज, तह. खटाव, जि. सातारा	1	-
★ **प्रा. एन. बी. एकिले** शिवराज महाविद्यालय आर्टस ॲण्ड कॉमर्स, डी. एस. कदम सायन्स कॉलेज, गडहिंग्लज, ता. गडहिंग्लज, जि. कोल्हापूर	2	-
★ **डॉ. विकास पाटिल** आर्टस ॲण्ड कॉमर्स कॉलेज, आष्टा, ता. वाळवा, जि. सांगली	3	-
★ **डॉ. आर. पी. भोसले** कला, वाणिज्य व शास्त्र महाविद्यालय, पुसेगाव, ता. खटाव, जि. सातारा	4	-
★ **डॉ. संजय कांबळे** टी. के. कोलेकर आर्टस ॲण्ड कॉमर्स कॉलेज, नेसरी, ता. गडहिंग्लज, जि. सातारा	-	1
★ **डॉ. दिपक रामा तुपे** विवेकानंद महाविद्यालय, ताराबाई पार्क, कोल्हापूर	-	2
★ **प्रा. आर. के. मुल्ला** डी. पी. भोसले कॉलेज, कोरेगाव, ता. कोरेगाव, जि. सातारा	-	3
★ **डॉ. अजयकुमार कांबळे** आर्टस, कॉमर्स ॲण्ड सायन्स कॉलेज, कोवाड, ता. चंदगड, जि. कोल्हापूर	-	4

■ **सम्पादक** ■

डॉ. क्षितिज धुमाळ
दादासाहेब जोतीराम गोडसे आर्टस, कॉमर्स, सायन्स कॉलेज, वडूज, तह. खटाव, जि. सातारा

डॉ. संजय कांबळे
टी. के. कोलेकर आर्टस ॲण्ड कॉमर्स कॉलेज, नेसरी, ता. गडहिंग्लज, जि. कोल्हापूर

Scanned by CamScanner

अनुक्रमणिका

इकाई	पाठ्यविषय	पृष्ठ
	सत्र-5 पेपर 10 : प्रयोजनमूलक हिंदी	
1.	पारिभाषिक शब्दावली अ) संचारमाध्यम संबंधी शब्द ब) शिक्षा, सभा और संमेलन संबंधी शब्द	1
2.	सरकारी कार्यालयीन पत्राचार	10
3.	हिंदी भाषा और रोजगार के अवसर	32
4.	समाचार लेखन	71
	सत्र-6 पेपर 15 : प्रयोजनमूलक हिंदी	
1.	पारिभाषिक शब्दावली (अंग्रेजी-हिंदी वाक्यांश, पदनाम संबंधी)	102
2.	संदर्भ स्त्रोतों का सामान्य परिचय	109
3.	जनसंचार माध्यम : सामान्य परिचय (Electronic)	129
4.	अनुवाद	164

Scanned by CamScanner

इकाई 2

संदर्भ स्रोतों का सामान्य परिचय

अनुक्रम

2.1 उद्देश्य

2.2 प्रस्तावना

2.3 विषय – विवरण

- 2.3.1 इन्स्टाग्राम
- 2.3.2 फेसबुक
- 2.3.3 वाट्स एप
- 2.3.4 ट्विटर
- 2.3.5 ब्लॉग

2.4 स्वयं – अध्ययन के लिए प्रश्न

2.5 पारिभाषिक शब्द, शब्दार्थ

2.6 स्वयं – अध्ययन के लिए उत्तर

2.7 सारांश

2.8 स्वाध्याय

2.9 क्षेत्रीय कार्य

2.10 अतिरिक्त अध्ययन के लिए

Scanned by CamScanner

2.1 उद्देश्य :

इस इकाई को पढ़ने के बाद आप –

- ♦ इन्स्टाग्राम की जानकारी से अवगत हो जाएँगे।
- ♦ सामाजिक नेटवर्किंग फेसबुक से परिचित हो जाएँगे।
- ♦ सामाजिक माध्यम वाट्स एप को समझ जाएँगे।
- ♦ सामाजिक मंच ट्विटर से परिचित हो जाएँगे।
- ♦ ब्लॉग तकनीक से अवगत हो जाएँगे।

2.2 प्रस्तावना :

सूचना प्रौद्योगिकी ने हिंदी भाषा को दुनिया के कोने-कोने में पहुँचा दिया है। मानव जीवन के हर क्षेत्र में हिंदी भाषा और सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग हो रहा है। हिंदी भाषा विश्व मंच पर स्थापित हो चुकी है। हिंदी भाषा प्रयोजनमूलक भाषा बन चुकी है। मानव जीवन के विभिन्न प्रयोजन हेतु विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हिंदी भाषा सूचना-संचार क्षेत्र में भी सशक्त रूप से उभर रही है। ज्ञान-विज्ञान, प्रशासन, बाजार, संचार, तकनीकी, विधि, अनुसंधान आदि क्षेत्रों में हिंदी की उपयोगिता दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। पहले संदर्भ ग्रंथ के रूप में शब्दकोश, विश्वकोश, मुहावरे कोश, कहावतें कोश, पारिभाषिक कोश, समांतर कोश आदि कोशों का उपयोग किया जाता रहा था, मगर आज बदलते समय के साथ संदर्भ भी बदल चुके हैं। विभिन्न कोशों का स्थान इंस्टाग्राम, वाट्स एप, फेसबुक, ट्विटर और ब्लॉग जैसे नवीनतम साधनों ने ले लिया है। मानव जीवन के हर क्षेत्र की जानकारी इन साधनों पर निरंतर अपडेट होती रहती है, जिसे जानने हेतु इन माध्यमों से परिचित होना अनिवार्य हो जाता है।

2.3 विषय विवरण :

आज फेसबुक, वाट्स एप, ट्विटर, इंस्टाग्राम और ब्लॉग जैसे समाज माध्यमों ने सोशल नेटवर्किंग में धूम मचा दी है। यह एक ऐसा सामाजिक नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म है; जो परिजनों एवं दोस्तों को एक-दूसरे से कनेक्ट कर सकता है। उन्हें फॉलो करके इनव्हाइट किया जा सकता है। यह माध्यम स्वयंरोजगार के साधन के रूप में भी उभर रहे हैं। यह समग्र माध्यम दो-तरफा संदेश आदान-प्रदान करते हैं। इन माध्यमों से परिचित होना समय की जरूरत बन गई है। इन माध्यमों का लाभ अपने जीवन को सुरक्षित करने, जीवन का सफर उन्नत बनाने और आय का साधन बनाने की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण माना जा सकता है।

2.3.1 इंस्टाग्राम :

वस्तुतः इंस्टाग्राम एक सामाजिक मीडिया एप है; जो संदेश आदान-प्रदान के काम आता है। केविन सिस्ट्रॉम और माइक क्रेगर ने इस एप को खास कर फोटो साझा करने के लिए डिजाइन किया है। मोबाइल, डेस्कटॉप और इंटरनेट पर आधारित इंस्टाग्राम एप द्वारा निजी और सार्वजनिक रूप से फोटो, ऑडियो, वीडियो,

Scanned by CamScanner

जीफ, टेक्स्ट और जानकारी का आदान-प्रदान किया जा सकता है। इंस्टाग्राम अकाउंट को सेट अप करके प्रोफाइल सेट किया जा सकता है। इसका प्रोफाइल प्राइवेट रखा जा सकता है। यह एप्लिकेशन मोबाइल, डेक्सटॉप एवं लैपटॉप पर भी चलाया जा सकता है। इसके अलावा ट्विटर, फेसबुक में हैश टैग भी जोड़ा जा सकता है। इंस्टाग्राम पर सदस्य चित्र या वीडियो बेहतर कैप्शन के साथ अनगिनत संख्या में आदान-प्रदान किए जा सकते हैं, जिसमें फिल्टर भी लगाया जा सकता है ताकि जानकारी तत्काल मिल जाए। चित्र के साथ अपना लोकेशन या स्थिति को भेजा जा सकता है। ट्विट्र या फेसबुक की तर्ज पर हैशटैग जोड़े जा सकते हैं। इसमें स्टोरी फीचर के द्वारा उनसे संबंधित वीडियो और फोटो को ब्रॉडकास्ट किया जा सकता है, जो 24 घंटे तक जारी रहता है।

• इंस्टाग्राम का इतिहास :

वस्तुत: इंस्टाग्राम की शुरुआत एक संगणक प्रोग्राम से हो चुकी थी, जिसका नाम 'बर्बन' रखा गया था, मगर केविन सिस्ट्रॉम ने फोटो शेयर करने वाली साइट की जरूरत की पूर्ति हेतु इस प्रोग्राम पर अपना कार्य निरंतर जारी रखा और केविन सिस्ट्रॉम और माइक क्रेगर को इसमें 6 अक्तूबर, 2010 को सफलता मिल गई। हालाँकि इंस्टाग्राम आईओएस ऑपरेटिंग सिस्टम के लिए विशेष रूप से मुफ्त मोबाइल एप के रूप में लान्च किया गया था, जो विश्वभर की 33 भाषाओं में मौजूद हैं। दो वर्ष के बाद एंड्राइड डिवाइस के लिए अप्रैल 2012 में दूसरा संस्करण जारी किया गया। नवंबर 2012 में फीचर सीमित जालस्थल इंटरफेस बनाया गया। अक्तूबर, 2016 में विंडोज 10 मोबाइल तथा विंडोज 10 ऑपरेटिंग सिस्टम के लिए एप्लिकेशन बनाए गए। वर्ष 2012 में इंस्टाग्राम की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए फेसबुक कंपनी ने 100 करोड़ डॉलर में इसे खरीद लिया। केविन सिस्ट्रॉम ने शुरुआती दौर में यह एप दोस्तों और पार्टियों में साझा किया, जहाँ उसे अच्छा रिस्पांस मिला। बेसलाइन एवं एंडरसन हर्वित्ज कंपनी ने इस स्टार्टअप को दुनियाभर पहुँचाने में उनका साथ दिया। इन कंपनियों ने तकरीबन पांच लाख डॉलर का निवेश किया। केविन सिस्ट्रॉम ने अपने मित्र माइक क्रेगर को इसका कोफाउंडर बना दिया। दोनों ने इस प्रोग्राम को बढ़ावा दिया। यह स्टार्टअप बल पकड़ नहीं रहा था तो केल्विन को समझ में आया कि फोटो शेयरिंग पर ज्यादातर फोकस होना चाहिए और केविन की मंगेतर ने फोटो शेयरिंग में फिल्टर्स लगाने की बात की, जिससे फोटो और खूबसूरत बन जाए। दरअसल यह एप आईफोन के लिए बनाया गया था, मगर केविन ने अपने कोफाउंडर के साथ आठ हफ्ते काम किया। अंतत: 6 अक्तूबर, 2010 की रात में इंस्टाग्राम लॉन्च हो गया।

इंस्टाग्राम का आरंभिक नाम बर्बन था जब लॉन्च किया गया तब इंस्टाग्राम रखा। यह नाम इंस्टा और कॅमेरा का मिलाजुला रूप है। कहा जाता है कि पहले 24 घंटें में 25 हजार से अधिक लोगों ने इसे डाउनलोड कर दिया था। गूगल प्ले-स्टोर में एक बिलियन से अधिक इंस्टाग्राम डाउनलोड है तो एप्पल के एप स्टोर में यही संख्या मिलियन में है। यह एप मुफ्त डाउनलोड किया जा सकता है। इसमें निजी डिटेल्स के बिना फोटो शेयर किए जा सकते हैं। दूसरों को फॉलो करना और फिल्टर फोटो को शेयर करने की आसानी के चलते यह एप 9 महीने में 7 मिलियन यूजर तक पहुँच गया। एक जानकारी के मुताबिक लोग फेसबुक पर कम और इंस्टाग्राम पर

Scanned by CamScanner

ज्यादा फोटो शेयर करते हैं। यही वजह है कि मार्क जुकरबर्ग ने उसे खरीदने का प्लान बनाया। वैसे देखा जाए तो ट्विटर के सीईओ की ओर से केविन सिस्ट्रॉम को 500 मिलियन डॉलर का ऑफर आ चुका था; मगर फेसबुक वर्ष 2012 में इसे एक बिलियन डॉलर की डील में खरीद लिया। उस समय इन्स्टाग्राम के 30 मिलियन यूजर्स थे आज एक बिलियन यूजर्स है।

- **इंस्टाग्राम की कार्य-प्रणाली :**

इंस्टाग्राम डाउनलोड करने के लिए गूगल के प्लेस्टोर में इंस्टाग्राम एप की तलाश कर उसे इंस्टॉल करना होगा। इस एप को खोलने के लिए डिवाइस की होम स्क्रिन में इंस्टाग्राम आइकॉन को क्लिक करना पड़ेगा। इसके बाद सबसे नीचे साइन अप के अंतर्गत ईमेल एड्रेस, मनचाहा यूजरनेम, फोन नंबर एंटर करना पड़ेगा। साथ ही उसमें एक प्रोफाइल फोटो अपलोड किया जा सकता है। इसके अबाउट ऑप्शन में आप मनचाहा निजी जानकारी एड कर सकते हैं। इसमें फर्स्ट नेम, लास्ट नेम या पर्सनल वेबसाइट एड कर सकते हैं। यदि आपका पहले से इंस्टाग्राम अकाउंड है तो आप इंस्टाग्राम लॉगिन पेज में सबसे नीचे मौजूद साइन इन को टैप कर सकते हैं और अपने अकाउंड में लॉगिन इनफार्मेशन एड कर सकते हैं। फॉलो करने हेतु दोस्तों को चुना जा सकता है। अपना इंस्टाग्राम अकाउंट बनने के बाद कॉन्टेक्ट लिस्ट, फेसबुक अकाउंट, ट्विटर अकाउंट या मैन्युअल सर्च करके दोस्तों को खोजने का विकल्प मिल जाता है। इन प्लेटफॉर्म्स से दोस्तों को चयनित करने हेतु पहले आपको फेसबुक या ट्विटर की इनफॉर्मेशन अर्थात् ईमेल एड्रेस और पासवर्ड प्रदान करना होगा। इंस्टाग्राम में यूजर नेम के सामने स्थित फॉलो बटन को टैप करके संबंधित यूजर्स को फॉलो कर सकते हैं; जिसे आप अपने होम पेज पर भी दिखा सकते हैं। अब जी चाहा आप अपने दोस्तों को एड कर सकते हैं। इसके बाद आप इंस्टाग्राम अकाउंट के होम पेज पर जाएँगे, जहाँ से आप फॉलो किए गए लोगों की पोस्ट देख सकते हैं।

इंस्टाग्राम में आप फोटो एड कर सकते हैं। पेज के नीचे और बीचोबीच '+' बटन दबाते ही पहले मौजूद फोटो या नई फोटो एड कर सकते हैं। प्लस को क्लिक करते ही लाइब्रेरी, फोटो और वीडियो बटन दिख जाएँगे। लाइब्रेरी से आप मौजूदा फोटो एड कर सकते हैं, फोटो ऑप्शन से कैमेरे के सहयोग से फोटो लेस कर सकते हैं, इसके लिए इंस्टाग्राम को कैमेरा एक्सेस करने की अनुमति प्रदान करनी होगी। वीडियो में इंस्टाग्राम कैमेरे का उपयोग कर वीडियो रिकॉर्ड कर सकते हैं। इसके लिए आपको शुरू में इंस्टाग्राम माइक्रोफोन पर एक्सेस प्रदान करना पड़ेगा। फोटो या वीडियो लेने के लिए स्क्रिन के नीचे की तरफ दिए गए गोलाकार बटन पर क्लिक कर मौजूदा फोटो को चुनकर आगे बढ़ने के लिए नेक्स्ट बटन दबाना होगा। आपकी फोटो के लिए इसमें 11 फिल्टर्स मौजूद है, जिसमें इमेज को एडिट करने हेतु फिल्टर्स आपकी फोटो के रंग एवं कम्पोजिशन में बदलाव कर सकते हैं, मून लगा सकते हैं, फोटो का ब्राइटनेस, कंट्रास्ट और स्ट्रक्चर को एडिट कर सकते हैं। उसके बाद नेक्स्ट बटन दबाना होगा। इसके अलावा आप अपनी राइट ए कैप्शन बॉक्स में फोटो के साथ बेहतर कैप्शन एड कर सकते हैं। इतना ही नहीं; फोटो पर टैग्स एड कर सकते हैं। फोटो को शेयर करने से पहले फॉलोवर्स को टैग करने के लिए टैग पिपल को टैप किया जा सकता है। फोटो का विवरण एवं लोकेशन को एड करने हेतु एड लोकेशन को टैप करना होगा, मगर इसके लिए आपको इंस्टाग्राम की लोकेशन सर्विस का एक्सेस प्रदान करना होगा। अपनी

Scanned by CamScanner

फोटो को ट्विटर, फेसबुक, टूमबलर या फ्लिकर अकाउंड पर पोस्ट करते हेतु स्वीच को ऑन पोजिशन में स्लाइड करना होगा; मगर इसके पहले आपको अपने अन्य एक्सटर्नल अकाउंट को इंस्टाग्राम अकाउंड से लिंक करना होगा। उसके बाद इंस्टाग्राम फोटो सफलता के साथ शेयर हो सकती है। अधिकांश फॉलोवर्स पाने हेतु अनोखी चीजों की फोटो क्लिक कर पोस्ट कर सकते हैं। इसे आप संगणक पर भी देख सकते हैं, मगर समग्र क्रिया-कलाप आप इस एप के अंदर ही कर सकते हैं।

● इंस्टाग्राम – लाभ :

कम समय में अधिक लोकप्रिय इस एप्लिकेशन में एक खास सुविधा यह भी है कि आप अपना प्रोफाइल निजी रख सकते हैं। लोग आपको रिक्वेस्ट करेंगे और आपके द्वारा अप्रुड करने पर ही वह व्यक्ति आपसे कनेक्ट हो सकता है। प्रोफाइल निजी होगा तो हैशटैग शो अप नहीं हो सकता। ट्रेडिंग या पब्लिक पेज में लाइक्स पाने हेतु इंस्टाग्राम साइट के जरिए शेयर फोटो या वीडियो वाट्स एप, फेसबुक, ट्विटर पर शेयर कर सकते हैं। इसमें लाइव्ह वीडियो भी शेयर किए जा सकते हैं। इसमें फोटोज, वीडियो और टेस्ट डाटा एडिट किया जा सकता है और दोस्तों को शेयर भी किया जा सकता है। इंस्टाग्राम प्रोफाइल में फ्लॉलोवर्स होते हैं जिनको नोटिफिकेशन चला जाता है, जिसे लाइक किया जा सकता है। इंस्टाग्राम के जरिये अपने ही दोस्तों के अलग-अलग प्रसंगों के जरिये जुड़ने में मदद होती है। इसका लाभ बड़े पैमाने पर होता है। इसमें गोपनीयता और सुरक्षितता है। यह मुक्त सेवा है। फोटो और वीडियो शेयरिंग के साथ त्वरित संदेश आदान-प्रदान की यह गतिशील प्रणाली है। कला-कौशल को बढ़ावा देना, मनोरंजन करना, अपनी पहुँच को बढ़ावा देना और लोकप्रियता हासिल करना, पसंदीदा व्यक्तियों से जुड़ना, फोटो सैल करना, पैसा कमाना, ग्राहक के साथ आसानी से जुड़ना, बेहतर रिव्यू पाना, एक-दूसरे के सवाल का जवाब देना, दोस्तों को फोटो या वीडियो शेयर करना, विज्ञापन देना, नए दोस्तों को जोड़ना, ग्राहकों को लक्ष्य करके डाटा संकलित करना आदि महत्त्वपूर्ण कार्य इंस्टाग्राम द्वारा आसानी से किए जा सकते हैं। सार यह कि बिजनेस के लिए यह उपयोगी और भरोसेमंद एप है।

● इंस्टाग्राम – हानि :

इंस्टाग्राम के कारण यूजर्स के काफी समय का नुकसान हो जाता है। इसके कारण समाज में अश्लीलता पनप रही है। समाज में छोटे-छोटे लड़कियों के अंग प्रदर्शन, अश्लील वीडियो वायरल हो जाते हैं जो वैयक्तिक और सामाजिक दृष्टि से हानिकारक है। लोग आपको अनफोलो करते हैं। नए फॉलोवर्स पाना मुश्किल है। इंस्टाग्राम द्वारा अफवाहें फैल जाती हैं। बिना जांच-पड़ताल के आपका अकाउंड सस्पेंड हो सकता है। इंस्टाग्राम पर शेयर जानकारी या डेटा सुरक्षित नहीं होता। कई लोग उसका गलत इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें पैसा कमाना आसान बात नहीं है। बच्चे-युवा-बूढ़ों को इंस्टाग्राम की लत लग जाती है।

सार यह कि इंस्टाग्राम एक सामाजिक मीडिया एप है; जो संदेश आदान-प्रदान के काम आता है। केविन सिस्ट्रॉम और माइक क्रेगर ने खास फोटो साझा करने के लिए डिजाइन किया है। फोटो और वीडियो शेयरिंग के साथ त्वरित संदेश आदान-प्रदान की यह गतिशील प्रणाली है। कला-कौशल को बढ़ावा देना, मनोरंजन करना,

Scanned by CamScanner

अपनी पहुँच को बढ़ावा देना और लोकप्रियता हासिल करना, पसंदीदा व्यक्तियों से जुड़ना, फोटो सैल करना, पैसा कमाना, ग्राहक के साथ जुड़ना, बेहतर रिव्यू पाना, एक-दूसरे के सवाल का जवाब देना, दोस्तों को फोटो या वीडियो शेयर करना, विज्ञापन देना, नए दोस्तों को जोड़ना, ग्राहकों को लक्ष्य कर आसानी डाटा संकलित करना आदि महत्त्वपूर्ण कार्य इंस्टाग्राम द्वारा आसानी से किए जा सकते हैं।

2.3.2 फेसबुक :

वस्तुत: फेसबुक एक मुफ्त सामाजिक नेटवर्किंग की विश्वव्यापी सुविधा है। फेसबुक के लिए संगणक या मोबाइल और नेट कनेक्शन की आवश्यकता होती है। फेसबुक इंटरनेट से जुड़े लोगों के जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। वैसे फेसबुक जाने-पहचाने दोस्त और परिजनों के साथ संदेश आदान-प्रदान करने का सशक्त माध्यम है। आपसी विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम फेसबुक का जन्म वर्ष 2004 में हुआ। फेसबुक के जनक मार्क जुकेरबर्ग ने तब उसका नाम 'द फेसबुक' रखा था, जोंकि वर्ष 2005 में 'फेसबुक' कर दिया। कॉलेज नेटवर्किंग जालस्थल के रूप में शुरू हुआ यह बहुभाषी सामाजिक माध्यम है।

- **फेसबुक-कार्यप्रणाली :**

फेसबुक द्वारा विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालयों और विभिन्न संगठनों के बीच नेटवर्किंग किया जा सकता है और अपने मनचाहा विचार एक-दूसरे के साथ साझा किए जा सकते हैं, एक-दूसरे का मनोरंजन किया जा सकता है। यहाँ तक कि इसके द्वारा एक प्रोफाइल पृष्ठ बनाकर अपनी निजी जानकारी साझा की जा सकती है। इस पृष्ठ में संबंधित व्यक्ति का नाम, जन्मतिथि, फोटो, कार्यस्थान और स्कूल-कॉलेज की जानकारी का ब्यौरा दिया जाता है; जिसके माध्यम से परिचित लोगों के नाम या ईमेल डालकर उसके अकाउंट को ढूँढा जा सकता है; जिससे परिचित मित्रों की एक श्रृंखला बनाई जा सकती है। इसके माध्यम से उपयोगकर्ता अपने परिचित स्कूल-कॉलेज, वाणिज्यिक फर्मों, संस्थान, देहात-शहरी, जाति-धर्म के लोगों का संगठन बना सकते हैं। फेसबुक पर फोटो, ऑडियो-वीडियो अपलोड कर सकते हैं और वह जानकारी उन्हीं लोगों को दिखाई जा सकती है; जिसको उपयोगकर्ता दिखाना चाहता है। फेसबुक में और एक सुविधा है कि विशेष समय या अवसर पर वह व्यक्ति क्या कर रहा है? क्या सोच रहा है? जिसको स्टेट्स अपडेट कहा जाता है। इसके द्वारा ज्यादा-से-ज्यादा पांच हजार लोगों को एक-दूसरे के साथ जोड़ा जा सकता है। फेसबुक के माध्यम से सार्वजनिक पृष्ठ भी बनाया जा सकता है; जिसमें स्कूल-कॉलेज, संगठन, कंपनियाँ, नेता, सामाजिक संगठन, सेलिब्रिटी, संगीतकार, बड़ी-बड़ी हस्तियाँ शामिल हैं। यह हस्तियाँ या संगठन अपना खाता शुरू कर अपने समर्थकों तक अपनी जानकारी साझा कर सकते हैं। उनके लिए आपसी संवाद का यह एक अच्छा माध्यम है। इसके माध्यम से पाठ्य सामग्री, विभिन्न समाचार, जानकारी, विचार, फोटो, आडियो-वीडियो, गीत-संगीत आदि जानकारी एक-दूसरे के साथ आदान-प्रदान की जा सकती है, जिसका लाभ छात्र, अध्यापक के साथ विभिन्न क्षेत्र के लोगों को होता है। विशेष अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों को फेसबुक पर लाइव किया जा सकता है। अपने विचारों की अभिव्यक्ति करने, अपने व्यवसाय को बढ़ावा देने, संगठन के नेटवर्किंग को बढ़ावा देने के लिए फेसबुक जैसा दूसरा माध्यम नहीं हो सकता। यह एक फेसबुक इंक. नामक एक निजी कंपनी है जिसकी

Scanned by CamScanner

स्थापना संयुक्त राज्य स्थित कैम्ब्रिज में हुई थी। आज इसके मुख्यालय कैलीफोर्निया स्थित पालो ऑल्टो में है। इसके अलावा डबलिन, आयरलैंड, सिओल, दक्षिण कोरिया में भी इसके कार्यालय है। यह माध्यम छोटे-मोटे व्यवसाय को बढ़ावा दे रहे हैं, साहित्य प्रकाशित करने की दृष्टि से भी यह माध्यम सुविधाजनक है। कई यूजर्स फेसबुक का उपयोग अपने व्यवसाय को विज्ञापित करने के लिए करते हैं। फेसबुक ने भारत सहित 40 देशों की मोबाइल सेवा कंपनियों से समझौता किया है। इसके तहत मोबाइल पर नि:शुल्क सुविधा फेसबुक अकाउंटधारकों को मिल रही है।

- **फेसबुक – लाभ :**

फेसबुक ज्ञान का अपार भंडार है और मनोरंजन का असीम स्रोत भी। विभिन्न विषयों की जानकारी हमें फेसबुक द्वारा प्राप्त हो जाती है। फेसबुक के माध्यम से हम फोटो, वीडियो और अपने विचारों को साझा कर सकते हैं, अपनी प्रतिभा का परिचय दे सकते हैं, अपने दोस्तों के संपर्क में रह सकते हैं। फेसबुक पोस्ट पर आई दोस्तों की लाइक्स से सेल्फ प्रमोशन मिल जाता है। इसके माध्यम से कामयाब लोगों से जुड़ सकते हैं और ब्रांड को प्रमोट कर सकते हैं। फेसबुक द्वारा कम लागत और कम समय में हम कई ग्राहकों तक आसानी पहुँच सकते हैं। ग्राहकों की शिकायतें फेसबुक के माध्यम से साझा हो जाती है जिससे कंपनी की सेवा में सुधार आ जाता है। व्यवसायिक सेवाओं में फेसबुक लाभदायी बन सकता है। फेसबुक पर अपने फर्म, संस्थान, कंपनी का विज्ञापन किया जा सकता है। राजनेता फेसबुक का उपयोग अपने प्रचार-प्रसार के लिए कर रहे हैं। फेसबुक सुविधा नौ भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है। दरअसल इसमें भाषा की कोई बाधा नहीं है।

- **फेसबुक – हानि :**

फेसबुक में उलझा आदमी एक प्रोफाइल से दूसरे प्रोफाइल का सर्फिंग कर समय की बर्बादी करता रहता है। फोटो के लाइक्स की चिंता यूजर्स के दिमाग में सवार रहती है। लाइक्स नहीं मिलने पर वह दु:खी हो जाता है। किसी जाति, धर्म, वर्ग, पंथ, किसी व्यक्ति या किसी समाज की भावना को ठेस पहुँचने पर मामला आदालत में जाता है, जिससे जेल होने की भी संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता। फेसबुक द्वारा किसी की असली पहचान कराना बहुत मुश्कील काम हो गया है। कुछ लोग पहचान बदलकर दूसरों के साथ धोखाधड़ी करते हैं। फेसबुक का आदी आदमी नोटिफिकेशन, संदेश, चैट का आदी हो जाता है, जिसे छात्रों का ध्यान पढ़ाई में नहीं लगता। फेसबुक के आदी कर्मचारियों की कार्यकुशलता कम हो जाती है, घर या कार्यालय का काम प्रभावित हो जाता है।

फोटो या जानकारी चुराने से निजत्व को खतरा पैदा होता है, अवांछित लोगों की फ्रेंड रिक्वेस्ट आ जाती है और नहीं स्वीकारने पर दुश्मनी मोल लेनी पड़ती है। फेसबुक के माध्यम से अनावश्यक लिंक, गंदे फोटो, वायरस आते रहते हैं; जिससे अपनी और दोस्तों की जानकारी चोरी हो जाती है। यदि जानकारी अन्य व्यक्ति के हाथ लग जाए तो उसका गलत उपयोग हो जाता है। कई यूजर्स विज्ञापन या अन्यान्य लिंक द्वारा वायरस के माध्यम से दूसरों की जानकारी चुराई जाती है और धोखाधड़ी भी की जाती है। हालाँकि फेसबुक द्वारा जाली प्रोफाइल भी बनाया जाता है और इस जाल में फंसाकर उसकी निजी जानकारी चोरी की जाती है। फेसबुक का उपयोग

Scanned by CamScanner

करते समय सोच-समझकर काम लेना चाहिए, ताकि अपने अकाउंट से निजी जानकारी का गलत इस्तेमाल न हो जाए। आज कई कंपनियाँ फेसबुक का उपयोग अपने प्रचार एवं नेटवर्किंग के लिए कर रही हैं, मगर इसकी गोपनीयता पर प्रश्नचिह्न खड़ा किया जाता है। इसके माध्यम से डाटा केवल अपने मित्रों तक सीमित नहीं रहता जबकि अन्य उपयोगकर्ता तक भी पहुँच जाता है। फेसबुक के नए संस्करण के प्राइवेसी सेटिंग में बदलाव हो जाता है वह सेटिंग अपने-आप डिफाल्ट हो जाती है। दरअसल उपयोगकर्ता इसमें बदलाव कर सकता है, मगर चुनिंदा उपयोगकर्ता ही इसकी ओर ध्यान देते हैं। इस पर प्रकाशित विज्ञापन की प्रामाणिकता पर प्रश्नचिह्न लग जाता है। विज्ञापन में अंकित वादों के माध्यम से धोखाधड़ी होने की संभावना जताई जाती है। मित्र जाने-अनजाने में गोपनीय जानकारी और पहचान समग्र विश्व के सामने लाते हैं।

फेसबुक ने आम आदमी की सामाजिक गतिविधियों को प्रभावित किया है। विचारों का व्यापार, आपसी मेलमिलाफ में कमी, दूसरों को संलग्न करने, दूसरों की सामग्री प्रसारित करने की दृष्टि से यह माध्यम एक प्रकार से खतरा साबित हो सकता है। विवेक से काम लेने पर यह माध्यम हमारे के लिए नुकसानदेह नहीं जबकि फायदेमंद साबित हो जाता है। फेसबुक इस्तेमाल करते समय आत्मनियंत्रण की आवश्यकता होती है। दरअसल इस पर वित्तीय जानकारी या व्यक्तिगत विवरण साझा नहीं करना चाहिए। फेसबुक का लाभ जरूर उठाना चाहिए मगर नकारात्मक विचारों से दूर रहना चाहिए और सावधान एवं सतर्क भी। अपनी पहचान अपरिचित व्यक्तियों को नहीं देनी चाहिए। फेसबुक के जरिए कुछ असामाजिक तत्त्व सांप्रदायिकता और जातिवाद का माहौल पैदा करने हेतु भड़काऊ जानकारी पेश करते हैं; जिससे सावधान रहना होगा। समाज की कुरीतियों का समर्थन या विरोध में फेसबुक प्रोफाइल फोटो बदलने से समय की बर्बादी और व्यक्ति असामाजिक तत्त्वों का शिकार हो जाता है। इससे मानसिक संतुलन यानी स्वास्थ्य खराब हो जाता है। फेसबुक से यूजर्स आलसी होते हैं, शारीरिक एक्टिविटिज कम हो जाती है, जिससे कई बीमारियाँ जुड़ जाती हैं। खतरनाक स्थानों की सेल्फी के चक्कर में युवक अपनी जान गँवा देते हैं। फेसबुक का आदी व्यक्ति अन्य लाभों से वंचित रह जाता है और अपना कीमती समय भी बबार्द करता है।

निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि फेसबुक एक नि:शुल्क सामाजिक नेटवर्किंग की विश्वव्यापी सुविधा है। फेसबुक जाने-पहचाने दोस्त और परिजनों के साथ संदेश आदान-प्रदान करने का सशक्त माध्यम है। फेसबुक का जन्म वर्ष 2004 में मार्क जुकेरबर्ग ने किया। फेसबुक द्वारा विद्यालय, महाविद्यालय और विश्वविद्यालयों, विभिन्न संगठनों के बीच नेटवर्किंग किया जा सकता है और अपने मनचाहा विचार एक-दूसरे के साथ साझा किए जा सकते हैं और एक-दूसरे का मनोरंजन भी किया जा सकता है।

2.3.3 वाट्स एप :

वाट्स एप एक संदेश आदान-प्रदान करने का स्मार्टफोन एप्लीकेशन है। आज हम वाट्स एप के माध्यम से टेक्स्ट मेसेज कर सकते हैं, फ्री आडियो कॉल्स कर सकते हैं, फ्री वीडियो कॉल कर सकते हैं, एनिमेशन, फोटो, डाक्यूमेंट और ऑडियो-वीडियो आदान-प्रदान किए जा सकते हैं। प्रयोगकर्ता का लोकेशन ट्रैक कर सकते हैं। इसे डेक्सटॉप से भी एक्सेस कर एक-दूसरे के साथ संपर्क कर सकते हैं। यह एक नि:शुल्क एवं दो-तरफा संदेश आदान-प्रदान का सशक्त सोशल माध्यम है।

Scanned by CamScanner

• **वाट्स एप इतिहास :**

वस्तुत: वाट्स एप की स्थापना 24 फरवरी, 2009 में जान कुम और ब्रायन एक्शन ने यूनाइटेड स्टेट्स के कैलिफोर्निया स्थित माउंटेन व्यू में की। वर्ष 2014 में 19.3 बिलियन अमेरिकी डालर में उसे फेसबुक ने खरीद लिया। आज लगभग एक अरब वाट्स एप के उपयोगकर्ता है। आभासी दुनिया में लोकप्रिय वाट्स एप विश्व की कई भाषाओं में सुविधा दे रहा है। फरवरी 2017 के मुताबिक वाट्स एप के 1.2 बिलियन प्रयोगकर्ता हो चुके हैं। 22 अप्रैल, 2014 में 500 मिलियन, 24 अगस्त, 2014 में 600 मिलियन और मई 2017 में 1.2 मिलियन प्रयोगकर्ता सक्रिय थे। आज युवा पीढ़ी के दिलो-दिमाग पर वाट्स एप ने राज कर लिया है। इसकी लोकप्रियता का मुख्य कारण यह है कि यह सबसे सस्ता, सरल, यूजर फ्रेंडली माध्यम है।

• **वाट्स एप कार्य-प्रणाली :**

वाट्स एप के लिए गूगल प्ले स्टोर से वाट्स एप को डाउलोड करना पड़ता है। वाट्स एप ओपन होने के बाद अपका अकाउंट शुरू करने के लिए ई-मेल आईडी और मोबाइल नंबर की आवश्यकता के साथ शर्तों की सहमति और आगे जारी का विकल्प क्लिक करते ही मोबाइल नंबर का वेरिफिकेशन हो जाता है। उसके बाद नेस्ट का बटन दबाते ही मेसेज बॉक्स में एक कोड आएगा; जो नंबर को वेरिफाई करेगा। उसके बाद आपके सामने प्रोफाइल पेज आएगा; जिसमें आपको आपना नाम डालना पड़ता है। इसके बाद नेक्स्ट क्लिक करते ही आप वाट्स एप पर मौजूद सब लोगों से जुड़ सकते हैं। वाट्स एप चलाने की एक विधि है। वाट्स एप की सेटिंग ऑप्शन में प्रोफाइल पिक्चर सेट कर सकते हैं, जिसे वाट्स डीपी के नाम से जाना जाता है। इसमें कई विकल्प है, जो उपयोगकर्ताओं की सुविधाओं के लिए हैं। उपयोगकर्ता के फोन कॉन्टॅक्ट लिस्ट में जिनका नंबर सेव है उन्हें ही आप ऑडियो-वीडियो संदेश, टेस्ट संदेश, फोटो, लोकेशन, कॉन्टॅक्ट नंबर आसानी से भेज सकते हैं।

इस एप में एक खास सुविधा है जिसमें समान विचार के लोगों का ग्रुप बनाकर जानकारी, फोटो, ऑडियो-वीडियो संदेश, डाक्यमेंट्स, समाचार साझा कर सकते हैं। परिजन, दोस्त, स्कूल-कॉलेज वाट्स एप के माध्यम से आसानी से जुड़ सकते हैं। लेकिन इसमें केवल 256 लोग ही ग्रुप में शामिल हो सकते हैं। इसमें एक ही विचार, वर्ग, संगठन का ग्रुप बनाकर एक-दूसरे से आसानी से संपर्क किया जा सकता है। इसके ग्रुप में भेजा गया संदेश का समय और संबंधित व्यक्ति का नाम दर्ज होता है। वाट्स ग्रुप में हम एक साथ 256 लोगों से चैटिंग यानी बातचीत की जा सकती हैं। इसमें यह भी सुविधा है कि आपके द्वारा गलती से कोई संदेश भेजा जाता है तो सात मिनट के अंदर उसे डिलिट भी किया जा सकता है। वह संदेश अन्य लोगों को दिखाई नहीं देता। इसमें एक बार कॉपी मेसेज पांच लोगों को या पांच ग्रुप में भेजा जा सकता है। अन्य देश के मुकाबले भारत के लोग सबसे अधिक फोटोज, वीडियोज और मेसेजेस वाट्स एप के जरिए भेजते रहते हैं।

आज दुनिया भर में 200 करोड़ से अधिक लोग वाट्स एप का इस्तेमाल कर सकते हैं। 8 फरवरी, 2021 से वाट्स एप यूजर्स के लिए नई टर्म्स एंड पॉलिसी के अंतर्गत उपयोगकर्ता के अपलोड कंटेंट, सबमिट, स्टोर, सेंड, रिसीव जानकारी कंपनी यूज, रिप्रोड्यूस, डिस्ट्रीब्यूट और डिस्प्ले कर सकती है। यदि आप वाट्स एप की इस पॉलिसी से सहमति जताते हैं तो ही आपका वाट्स एप अकांउट जारी रहेगा। कंपनी द्वारा बताया गया है

Scanned by CamScanner

कि उपयोगकर्ता को अपनी लोकेशन एक्सेस डिसेबल करने का विकल्प देती है; मगर मोबाइल नंबर, आईपी एड्रेस और लोकेशन ट्रेस के द्वारा आपका डेटा कंपनी की ओर जाएगा; जिसके माध्यम से आपका डेटा एनालिसिस होगा और इन्हीं डेटा का इस्तेमाल वाट्स एप उपयोगकर्ताओं के प्रोफाइलिंग के लिए खुला हो सकता है। कंपनी अपना स्टोर डेटा दूसरी कंपनी या विज्ञापन के लिए भी कर सकती है।

- **वाट्स एप – लाभ :**

वाट्स के माध्यम से अपने रिश्तेदारों एवं दोस्तों से आसानी संपर्क कर सकते हैं, वाट्स के माध्यम से अकेलापन दूर हो जाता है, डाक्यूमेंट भेजा जा सकता है, आम आदमी भी इसका उपयोग आसानी से कर सकता है, किसी को भी वीडियो कॉल भी कर सकता है। अपने दोस्तों को वाइस नोट्स भी भेज सकते हैं, एक समूह बनाकर बिजनेस किया जा सकता है, एक ही ग्रुप पर अनेक लोगों को एक ही समय पर एक- दूसरे को संदेशों आदान-प्रदान किया जा सकता है।

- **वाट्स एप–हानि :**

वाट्स भ्रम 'फैलाने का काम करता है, बच्चे एवं युवा गलत चीजों के आदी हो जाते हैं। इससे पढ़ाई में बाधा आ जाती है, नींद हैरान हो जाती है, निजी डाटा चोरी हो जाता है, सुरक्षा की समस्या बड़े पैमाने पर खड़ी हो जाती है, वायरस और बग जैसी समस्या पैदा हो जाती है। वाट्स के लगातार उपयोग के कारण गर्दन में अकड़न हो जाती है, सिर में दर्द हो जाता है और आँखों की रोशनी कमजोर हो जाती है। फ्री वाइस कॉल या वीडियो कॉल में नेट बहुत जाया जाता है। वाट्स एप का दुरुपयोग होता है; जिसमें भड़काऊ संदेश और झूठी खबरें प्रसारित होती रहती है। इसे काबू करने के लिए वाट्स एप द्वारा मीडिया मैसेजेस से क्विक फारवर्ड बटन हटाने के प्रयास जारी है।

संक्षेप में कहा जा सकता है कि वाट्स एप एक संदेश आदान-प्रदान करने, फ्री कॉल्स करने, फ्री वीडियो कॉल करने, एनिमेशन, फोटो, डाक्यूमेंट, ऑडियो-वीडियो आदान-प्रदान करने का सामाजिक माध्यम है। प्रयोगकर्ता का लोकेशन भी वाट्स एप के जरिए ट्रैक किया जा सकता है। यह एक नि:शुल्क सोशल माध्यम है; जिसके माध्यम से दो-तरफा संदेश आदान-प्रदान किया जा सकता है।

2.3.4 ट्विटर :

वर्तमान समय में सोशल मीडिया में ट्विटर की पहुँच लगातार बढ़ती जा रही है। ट्विटर या चिर्विर एक नि:शुल्क सामाजिक मंच है। दूसरे शब्दों इसे सूक्ष्म चिट्ठाकारिता कहा जा सकता है। वस्तुत: ट्विटर अद्यतन जानकारी देने, संवाद आदान-प्रदान करने, एक-दूसरे के साथ निरंतर जुड़े रहने, अद्यतन समाचार देने की सुविधा देता है। ट्विटर का जन्म 21 मार्च, 2006 में संयुक्त राज्य के केलिफोर्निया स्थित सैन फ्रांसिस्को में हुआ।

दरअसल चीड़िया जिस प्रकार चहकती है, उसी प्रकार यूजर्स ट्विट करते हैं। आज ट्विटर का उपयोग व्यक्ति, सरकार, सरकारी संस्थान, समाजिक कार्यकर्ता, राजनेता, सेलिब्रेटी करते हैं। यह सेवा अन्यान्य भाषाओं में उपलब्ध है। दुनियाभर की लोकप्रिय वेबसाइटों में ट्विटर का जिक्र आता है। कंपेटी डॉट कॉम के मुताबिक

Scanned by CamScanner

वर्ष 2009 में अधिकांश प्रयोगशील सामाजिक नेटवर्कों में ट्विटर तीसरे स्थान पर रहा है। इसके पांच करोड़ 50 लाख लोग तकरीबन प्रतिमाह पाठक या निरीक्षक रहे हैं।

• ट्विटर की कार्य-प्रणाली :

ट्विटिंग या ट्विटर को माइक्रोब्लागिंग भी कहा जाता है। इसमें ट्विट में 140 कैरेक्टर का संदेश होता है। दूसरा इसमें रि-ट्विट के माध्यम से उपयोगकर्ता पुन: दूसरों को जानकारी शेयर कर सकता है और क्रेडिट में आप सामाजिक महत्त्व प्रदान कर सकते हैं। तीसरे चरण में जो फिड होता है वही आपको होमपेज पर दिखाई देता है। हालाँकि इसमें आप उन्हीं यूजर्स की जानकारी हासिल कर सकते हैं जिन्हें आप फॉलो करते हैं। चौथा चरण में हैंडल यानी आपका यूजर नेम होता है। मेनशन यह एक संदर्भ देने का ऐसा तरीका है; जिसमें दूसरे यूजर्स को ट्विट में लिखा जाता है। मेनशन करने पर यूजर्स को एक नोटिफिकेशन आ जाती है। यह एक ऐसा तरीका है जो दूसरे यूजर्स के साथ पब्लिक मंच में चर्चा के काम आ जाता है। डायरेक्ट मैसेज 140 कैरेक्टर का संदेश दो लोगों के बीच निर्णय करने का विकल्प है। इसमें हैशटैग एक ऐसा तरीका है; जिसमें यूजर्स चर्चा कर सकते हैं। इसके लिए आप लिंक बनाकर चर्चा में दूसरे यूजर्स को भी शामिल कर सकते हैं। फॉलोइंग और अनफॉलोइंग कर सकते हैं, अपने ट्विट में सामग्री जोड़ सकते हैं, वेबसाइट और एप का एकीकरण कर सकते हैं, किसी को अवरूद्ध किया जा सकता है, किसी को म्यूट भी किया जा सकता है।

• ट्विटर – लाभ :

ट्विटर सोशल नेटवर्किंग का संक्षिप्त संदेश आदान-प्रदान का अद्यतन माध्यम है। यह एक ऐसा सूक्ष्म संदेश होता है जो चीड़िया की तरह चहकता नजर आता है। ट्विट्र से हम कम शब्दों में ज्यादा आशय वाली करने का तरीका सीख जाते हैं। यूजर्स अपना लिखित संदेश अपने अनुयायी अर्थात् फॉलोअर्स को भेज सकता है। भेजने वाला संदेश को अपने फॉलेअर्स तक सीमित करने या मुक्त रूप से विश्वव्यापी बनाने की अनुमति देता है। ट्विट्र संक्षिप्त बात, छोटा संदेश साझा करने एक सामाजिक प्लैटफार्म है। यह ट्विट भेजना और प्राप्त करने का दोतरफा माध्यम है, जो एक लघु संदेश सेवा है। इंटरनेट की सुविधा प्राप्त लोगों के लिए एक यह नि:शुल्क सामाजिक प्लैटफॉर्म है। इसमें लाइव फोटोज को सीधे जीफ इमेज में तब्दील किया जा सकता है। युवा पीढ़ी और सेलिब्रेटी में यह सुविधा खासी लोकप्रिय है। कोई भी व्यक्ति कभी-भी और किसी-भी समय अपना अपडेट्स इसमें दे सकता है। बिना पल्लवित किए अपने विचारों को दूसरों तक पहुँचाने का यह एक आसान माध्यम है। ट्विटर के माध्यम से आप अपने दोस्तों एवं परिजनों से जुड़ सकते हैं, देश-विदेश की जानकारी तत्काल आदान-प्रदान कर सकते हैं, इससे व्यक्ति अपने पसंदीदा व्यक्ति, फैन्स या फॉलोअर्स से रू-ब-रू हो सकते हैं, अपने आपको महिमा मंडित कर सकते हैं, चुनावी प्रचार कर सकते हैं। संक्षेप में बातचीत को सार्वजनिक करना यह ट्विटर का प्रधान उद्देश्य है।

• ट्विटर-हानि :

ट्विटर की शब्दसीमा के चलते लोगों को बात समझने में कठिनाई आती है। इसी कारण लोग ट्विटर का इस्तेमाल करने से लोग कतराते हैं, कई लोगों को संक्षिप्त संदेश लिखना नहीं आता। ट्विटर की पर्याप्त जानकारी

Scanned by CamScanner

न होने वाले वेरीफाइड खाते को पहचान नहीं पाते। ट्विटर में व्यक्ति का समय जाया जाता है, व्यक्ति निराश एवं ऊबाऊ हो जाता है, यूजर्स को संपूर्ण ट्विट से गुजरना पड़ता है। ट्विटर यूजर्स का खाता और पासवर्ड चोरी हो जाता है जो साइबर क्राइम के अंतर्गत आता है। इस संदर्भ में ट्विटर फिशिंग स्कैम शिकार की खबरें भी प्रकाशित हो चुकी है। फर्जी लिंक के जरिए फर्जी वेबसाइट पर पहुँचते ही जानकारी चोरी हो जाती है। हिंसा, उत्पीड़न, प्रताड़ना जैसी घटनाओं के कारण ट्विटर यूजर्स का वैश्विक-सार्वजनिक मूल्य कम हो जाता है और लोग हतोत्साहित हो जाते हैं। ट्विटर के माध्यम से समाज में भ्रम फैल जाता है और सामाजिक अशांति का माहौल भी पैदा होता है।

सार यह कि ट्विटर सोशल नेटवर्किंग का संक्षिप्त संदेश आदान-प्रदान का महत्त्वपूर्ण माध्यम माना जाता है। यह एक ऐसी लघु संदेश सेवा प्रणाली है, जो बातचीत को सार्वजनिक करती है। ट्विटर या चिर्पि एक निःशुल्क सामाजिक मंच है; जो अद्यतन जानकारी देने, संवाद आदान-प्रदान करने, एक-दूसरे के साथ निरंतर जुड़े रहने और अद्यतन समाचार देने की सुविधा प्रदान करता है।

2.3.5 ब्लॉग :

चिट्ठा आज एक खुद की वेबसाइट के रूप में उभर रहा डिजिटल माध्यम है। चिट्ठाकार अपने ब्लॉग पर अपने अनुभव, विचार, आडियो-वीडियो, आलेख और समाचार साझा कर लोगों को जोड़ने का प्रयास करता है। चिट्ठा या ब्लॉग लेखन करने वाले रचनाकार को चिट्ठाकार या ब्लॉगर कहा जाता है। दूसरे शब्दों में जो ब्लॉगर हमेशा अपने ब्लॉग पर विभिन्न आलेख, आडियो-वीडियो पाठ पोस्ट करता है, उसे चिट्ठाकार कहा जाता है। चिट्ठाकार एक ऐसी चिट्ठा होस्टिंग सेवा है; जो गूगल ब्लॉगर पोग्राम के तहत आपूर्ति की जाती है।

- **चिट्ठा संकल्पना :**

मूलत: www.blogger.com वेबसाइट के जरिए हर जी-मेल अकांउटधारक अपना ब्लॉग शुरू कर सकता है। जूस्टिन हैल नाम के एक अमेरिकन छात्र ने विश्व का पहला ब्लॉग links.net बनाया। जहाँ उन्होंने अपने वैयक्तिक जीवन के अनुभव साझा किए। ब्लॉग अंग्रेजी शब्द वेब लॉग (web blog) का संक्षिप्त रूप है। प्रारंभिक काल में जोरन बारगेर ने इसे मजाक के तौर पर We blog शब्द कह दिया। कलांतर में सिर्फ ब्लॉग शब्द शेष रह गया। बाद में यह शब्द इंटरनेट की दुनिया में चर्चित रहा। चिट्ठा लेखन को चिट्ठाकारिता अर्थात् ब्लॉग लेखन को ब्लॉगिंग कहा जाता है।

- **चिट्ठाकारिता का इतिहास :**

सन् 1998 ई. में एक संगणक प्रोग्रामर एवं वेबसाइट डेवलर ब्रुके एबलेसन ने Open diry ब्लॉग बनाया, जिस पर उपयोगकर्ता अपनी खुद की डायरी लिख सकता था। पेटेर मेरहोलज ने वर्ष 1999 में weblog नाम छोटा करके blog कर दिया। इसी वर्ष पयरा लैब्स ने Blogger नामक पहला चिट्ठा प्लेटफार्म बनाया; जिसमें ब्लॉगर बिना कोडिंग किए लिख सकते थे। वर्ष 2003 में गूगल ने Blogger और Adsense खरीद लिया और Matt mullenweg Zo wordpress लॉन्च किया। वर्ष 2007 में Tumblr के लॉन्च साथ मिक्रोब्लॉगिंग कांसेप्ट का

Scanned by CamScanner

जन्म हुआ, जिससे ब्लॉगर एस.एम.एस. तथा ई-मेल के माध्यम से जीप्स, वीडियो, इमेज पोस्ट करने लगे। सन् 2007 से ब्लॉग ने एक डायरी का रूप छोड़ दिया और बिजनेस का रूप धारण कर लिया। पायरा लैब्स ने 23 अगस्त, 1999 को एक होस्टिंग टूल के रूप में इस वेबसाइट का आरंभ किया। वर्ष 2003 में इसे गूगल ने खरीद लिया, तब से यह नि:शुल्क होस्टिंग वेबसाइट के रूप में चर्चित है। 13 मई, 2005 में ब्लॉगर का निजी लेखन शुरू हुआ। यह सेवा अंग्रेजी, हिंदी, फारसी समेत दुनियाभर की अन्य 57 भाषाओं में उपलब्ध है। 18 फरवरी, 2010 से ब्लॉगर ने खुद का पृष्ठांकन यानी ऑटो पेजीनेशन शुरू कर दिया। चिट्ठा का आरंभ सन् 1992 ई. में लाँच जालस्थल के साथ ही हो चुका था; मगर 1990 के अंतिम वर्षों में चिट्ठाकारिता ने बल पकड़ लिया। आरंभिक काल में चिट्ठा संगणक की बुनियादी जानकारी से संबंधित था, मगर आज लेखक के शौक के अनुसार उसमें बदलाव आया हुआ दिखाई देता है। विश्व का पहला चिट्ठा 'दि जर्नी' माना जाता है; जिसे ब्लॉगर एडम कोन्ट्रास ने पोस्ट किया था। इस ब्लॉग की तत्कालीन समय में काफी सराहना भी हो चुकी थी।

वस्तुत: ब्लॉगर के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने हेतु हिंदी चिट्ठाजगत् परिकल्पना सम्मान हर साल अंतर्राष्ट्रीय हिंदी ब्लॉगर वार्षिक सम्मेलन में दिया जाता है; जिसमें देश-विदेश से ब्लॉगर्स शामिल होते हैं। ब्लॉगरकॉन इस सम्मेलन के माध्यम से अपनी बात विश्व के सामने रखते हैं। सम्मेलन में उन्हें 'दि ब्लॉगीज' पुरस्कार से पुरस्कृत किया जाता है। हिंदी भाषा के प्रथम चिट्ठाकर आलोक कुमार ने 'नौ दो ग्यारह' (9211) नामक चिट्ठा शुरू किया। इतना ही नहीं; ब्लॉग के लिए 'चिट्ठा' शब्द का पहली बार प्रयोग भी उन्होंने ही किया। हाल ही में वे चिट्ठाजगत.इन नामक हिंदी ब्लॉग ऍग्रीगेटर का संचालन करते हैं। दरअसल चिट्ठा एक निजी जालस्थल ही होता है, जो एक दैनंदिन डायरी की तरह होता है। सन् 2007 ई. से लगातार चिट्ठों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। वर्ष 2011 में तकरीबन 17 करोड़ 30 लाख ब्लॉग बने हुए थे। समग्र अंतरजाल पर ब्लॉग की संख्या 44 करोड़ से अधिक बन गई है, जिस पर प्रतिमाह तकरीबन 70 करोड़ पोस्ट अपलोड की जाती है और 40 करोड़ से अधिक लोग ब्लॉग के पाठक बने हुए हैं। आज तकरीबन 130 मिलियन ब्लॉग का विधिवत संचालन हो रहा है। आज सूचना प्रौद्योगिकी के युग में चिट्ठा या ब्लॉग का प्रचलन ज्यादा मात्रा में दिखाई दे रहा है। हिंदी चिट्ठाकारिता के बढ़ते प्रचलन से समीक्षकों ने ब्लॉग समीक्षा भी आरंभ की है। रवींद्र प्रभात ने वर्ष 2007 में हिंदी चिट्ठों की आलोचना आरंभ की। उन्होंने 'ब्लॉग विश्लेषण' के तहत पद्यात्मक और गद्यात्मक रूप में 11 खंडों में चिट्ठों का विवेचन-विश्लेषण प्रस्तुत किया। वर्ष 2011-2012 में बॉग जगत् की 25 खंडों की वार्षिक रिपोर्ट बनाई गई; जिससे पहली बार ब्लॉग लेखन का इतिहास दुनिया के सामने आ गया। रवींद्र प्रभात ने इसमें चिट्ठा जगत् के माध्यम से प्रमुख चिट्ठाकारों को एक मंच पर पेश किया गया और मौलिक सोच के माध्यम से सकारात्मक प्रवृत्तियों को रेखांकित किया गया।

● चिट्ठाकारिता की कार्य-प्रणाली :

दरअसल ब्लॉग का पंजीकरण हम नि:शुल्क एवं वैकल्पिक रूप से कर सकते हैं। हर ब्लॉगर का एक नया डोमेन नेम होता है। ब्लॉग पर प्रस्तुत हर पोस्ट की एक लिंक बन जाती है; जिसे आप सोशल मीडिया पर शेयर भी कर सकते हैं। ब्लॉगर गूगल एडसेंन्स के तहत ब्लॉग पर प्रासंगिक विज्ञापन दिखाकर ब्लॉग को अपनी आय

Scanned by CamScanner

का साधन बना सकता है। 'गूगल एडसेन्स आपके ब्लॉग पर प्रासंगिक लक्षित विज्ञापन दिया जा सकता है ताकि आप अपने जुनून के बारे में पोस्ट करके पैसे काम सकें।''[1] दरअसल चिट्ठा का कार्य चिट्ठाकार पर निर्भर करता है। इसमें व्यवसायिक कार्य, चित्र, विषय, पाठ, टीका-टिप्पणियाँ, लिंक्स, बाहरी कड़ियाँ, निजी दैनंदिन क्रिया-कलाप, वैचारिक आदान-प्रदान, साहित्य लेखन, समाचार एवं जानकारी का प्रस्तुतीकरण किया जा सकता है। ज्यादातर ब्लॉग पाठ स्वरूप में होते हैं। वायरल वीडियो की ख्याति देखते हुए अधिकांश चिट्ठाकारों और निगमों ने अपनी वेबसाइटों पर चिट्ठाकारिता प्रारंभ की है।

ब्लॉग का कंटेंट दर्शक एवं पाठकों की रुचि का हो तो वह ब्लॉग जनमानस में चर्चित रहता है। ब्लॉगर की हजारों पोस्ट, फोटो और नि:शुल्क जानकारी पाठकों को आकर्षित करती है। ब्लॉगर अपने ब्लॉग पर अपनी विशेषज्ञता रेखाकिंत कर सकते हैं, ताजा समाचार साझा कर सकते हैं, अपनी मनचाहा जानकारी पेश कर सकते हैं, अपने ब्लॉग को प्रतिबंधित कर सकते हैं, बदलाव की अनुमति दे सकते हैं, मनचाहा कंटेट अपलोड कर सकते हैं, ब्लॉग पेज जोड़ सकते हैं, मनचाहा टेम्प्लेट डिजाइन कर सकते हैं, पाठक वर्ग तय कर सकते हैं, नया ब्लॉग शुरू कर सकते हैं। इतना ही नहीं; ब्लॉग का पता और यूआरएल चुनकर सेव कर सकते हैं। ब्लॉग पेज दिखाने की जगह में बदलाव कर सकते हैं। वस्तुत: यह पेज ब्लॉग का सबसे ऊपरी टैब के तौर या लिंक के तौर पर एकतरफा दिखाई देते हैं। ब्लॉग पेज पर पोस्ट अपलोड की जा सकती है या ड्रॉप की जा सकती है अर्थात् पोस्ट चुनकर आप उसे हटा सकते हैं, उसे संशोधित कर सकते हैं, अद्यतन बना सकते हैं और उसे मैनेज भी कर सकते हैं, पोस्ट प्रकाशित करने पर कैसी दिखेगी? यह व्ह्यूव करके देख सकते हैं और अपनी पोस्ट व्यवस्थित करने के लिए लेबल का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

वस्तुत: ब्लॉग के पाठक को कंटेंट फिल्टर करने के लिए लेबल का इस्तेमाल किया जा सकता है। किसी पोस्ट पर एक से अधिक लेबल जोड़ने के लिए लेबल के बीच अल्पविराम का प्रयोग किया जा सकता है। असल में लेबल की मदद से पोस्ट ढूँढने या फिल्टर करने में मदद होती है, लेबल से अपने पोस्ट का शेड्यूल बना सकते हैं। दरअसल ब्लॉग पोस्ट के लिए ई-मेल का इस्तेमाल किया जाता है। अपने ब्लॉग में फोटो, वीडियो और अन्य सामग्री अपलोड करते समय उसे साइज, कैप्शन, अलाइनमेंट दे सकते हैं। यहाँ तक कि इमेज को प्रतिबंधित एवं प्रबंधित कर सकते हैं। यू-ट्यूब या संगणक से वीडियो अपलोड कर सकते हैं, पाठक ब्लॉग को देख सकते हैं, पढ़ सकते हैं, फॉलो कर सकते हैं, डाउनलोड कर सकते हैं और मिटा सकते हैं, ब्लॉग की किसी भी पोस्ट पर टिप्पणियाँ दे सकते हैं, अनचाही टिप्पणियों पर रोक लगाई जा सकती है, उसे संशोधित किया जा सकता है, टिप्पणियों को मिटाया जा सकता है, स्पैम में डाला जा सकता है, टिप्पणियों को प्रबंधित किया जा सकता है। ब्लॉग को एक से अधिक खातों में साइन इन किया जा सकता है और जानकारी को एक से दूसरे खाते में डाला जा सकता है।

ब्लॉग बनाने के लिए सिर्फ गूगल पर अपना खाता खोलने की आवश्यकता होती है। साइन अप करने के लिए प्रयोक्ता को एक अलग नाम देना पड़ता है जो उसके ब्लॉग का नाम होता है; जिसे डोमेन नेम कहा जाता है। गूगल पर हजारों उपकरण है; जिसे ब्लॉग के साथ जोड़ा जा सकता है। इन सुविधाओं के सहयोग से ब्लॉगर

Scanned by CamScanner

बहुपयोगी ब्लॉग बना सकता है। कई ब्लॉगर एक ही ब्लॉग पर अपना योगदान देते हैं। इतना ही नहीं; अपने ब्लॉग ऐक्सेस को नियंत्रित कर सकते हैं। इसमें आप असीमित ब्लॉग बना सकते हैं, मगर ब्लॉग का मुखपृष्ठ या पुरालेख पृष्ठ एक एमबी तक सीमित होना अनिवार्य होता है। इसमें लेबल्स की संख्या दो हजार तक सीमित रहती है। कुल भंडार के एक जीबी तक चित्र पिकासा जाल संग्रह से हाइपर लिंक्ड किया जा सकता है। बस! वह चित्र 800 पिक्सेल में और 250 केबी तक सीमित होना अनिवार्य है। ब्लॉगिंग की दुनिया में रचनाकार की निजी स्वतंत्रता, निजी विचार, सार्थक चर्चाएँ मौजूद हैं। जहाँ लेखक को निजी स्वतंत्रता का स्पेस होता है वहाँ लेखक उसका उपयोग अपने तरीके से करता है। अक्षरग्राम नेटवर्क हिंदी चिट्ठाकारों एवं तकनीकिज्ञों का, बिना लाभकारी संगठन है, जो संगणक और अंतरजाल के माध्यम से हिंदी प्रयोग को बढ़ावा देता है। यह संगठन हिंदी चिट्ठाकारी से संबंधित विभिन्न सेवाएँ देता है। इसमें चिट्ठाकार डाक सूची, चिट्ठाकार समूह सूची, पेंचकस डाक सूची, फ्लीकर - हिंदी चिट्ठाकार समूह, यूट्यूब - हिंदी चिट्ठाकार समूह, हिंदी चिट्ठाकारों का फ्रॅकर मैप, हिंदी ब्लॉगर सूची, हिंदी चिट्ठाकारों की वेबरिंग आदि संगठन हिंदी चिट्ठे का प्रचार-प्रसार करने का प्रयास करते हैं। ब्लॉग प्रहरी, ब्लॉग जगत्, चिट्ठा चर्चा, सर्वज्ञ, निरंतर, हमारी वाणी, ब्लॉग सेतु, ब्लॉग जगत्, हिंदीब्लॉग्स.ऑर्ग, ब्लॉगवाणी आदि ब्लॉग समूह ऑनलाइन जानकारी एवं विचारों का संचालन कर रहे हैं। इसके लिए ब्लॉगर के पास एक पर्सनल कम्प्यूटर, इंटरनेट सुविधा और खुद का ब्लॉग होना जरूरी है।

• हिंदी चिट्ठाकार :

आज कई चिट्ठाकार अपने विचार एवं रचना की प्रस्तुति ब्लॉग के माध्यम से कर सकते हैं। इसमें कई हिंदी चिट्ठाकार हैं; जैसे - ज्ञान दत्त पांडेय का 'मानसिक हलचल', अविनाश वाचस्पति का 'नुक्कड़', समीर लाल का 'उड़न तश्करी', संजय बेगाणी का 'जोग लिखी', अनूप शुक्ल का 'फुरसिया', विमल वर्मा का 'ठुमरी', अरविंद मिश्र का 'साईं ब्लॉग', महेंद्र मिश्रा का 'समयचक्र', प्रवीण त्रिवेदी का 'प्राइमरी का मास्टर', आकांक्षा यादव का 'शिखर', अरविंद श्रीवास्तव का 'जनशब्द', रश्मी प्रभा का 'मेरी भावनाएँ', सतीश सक्सेना का 'मेरे गीत', निर्मला कपिला वीर का 'वहूटी', खुशदीप का 'देश्रामा', जाकिर अली रजनीश का 'तस्लीम' आदि। ये चिट्ठाकार हिंदी को बढ़ावा देने के साथ-साथ एक प्रेरक की भूमिका अदा करते हैं। इसके अलावा 'भड़ास', 'कबाड़खाना', 'महोल्ला'और 'तस्लीम' आदि सामूदायिक चिट्ठे लोकप्रिय हैं।

• चिट्ठाकारिता के लाभ :

आज हर कोई ब्लॉगिंग कर सकता है। कई चिट्ठाकार शौकिया ब्लॉगर होते हैं तो कई पार्ट टाइम ब्लॉगर होते हैं तो कई फुल टाइम ब्लॉगर होते हैं तो कई प्रोफेशनल ब्लॉगर होते हैं। जिस प्रकार व्यक्ति किसी व्यवसाय से पैसे कमाने के लिए प्लानिंग एवं परिश्रम उठाता है उसी प्रकार एक ब्लॉगर भी अपनी कमाई में बढ़ोतरी करने के लिए निरंतर मेहनत करता रहता है। चिट्ठा बनाने के कई लाभ बनाए जा सकते हैं; जैसे-अपने ज्ञान एवं विचारों को अभिव्यक्ति करना, जानकारी साझा करना, ऑनलाइन पोर्टफोलिया बनाना, नई नौकरी हासिल करना, ऑनलाइन पैसे कमाना, ऑनलाइन व्यापार करना, स्थापित बिजनेस को बढ़ावा देना, अपने क्षेत्र में नाम कमाना, बेहतर लेखक बनना, अपना खुद का बेहतर नेटवर्क बनाना, दूसरों की मदद करना, दूसरों को सीखाना और विभिन्न

Scanned by CamScanner

क्षेत्रों में अपनी महारत हासिल करना आदि। इसके अलावा अपना लक्ष्य निर्धारित करने के लिए कई ब्लॉगर इन दिनों फैशन, फिटनेस, फूड, समाचार, लाइफ स्टाइल, खेल-कूद, फिल्म, गेमिंग, फाइनेंस, राजनीति, बिजनेस, साहित्य, पर्यावरण, विज्ञान, संस्कृति आदि विषयों पर ब्लॉग लेखन कर रहे हैं।

आज ब्लॉग एक पैसे कमाई का साधन बन रहा है। ब्लॉग की आय का मुख्य साधन विज्ञापन है। एफिलिएट मार्केटिंग, खुद का सामान बेचना, सर्विस देना, अपने व्यवसाय का प्रचार-प्रसार करने हेतु ब्लॉगिंग किया जाता है। ''एक ब्लॉग किसी भी कार्य के लिए प्रयोग किया जा सकता है, चाहे वह निजी दैनंदिन के रूप में हो या व्यवसायिक कार्य के लिए या सामान्य रूप में अपने विचार दूसरों तक पहुँचाने के लिए ब्लॉगिंग का ज्यादा उपयोग किया जाता है।''[2] छात्र, नौकरीपेशा व्यक्ति, गृहिणी आदि अपने विषय की जानकारी एवं अपने विचार ब्लॉग के माध्यम से रख सकते हैं। चिट्ठा एक ऐसा माध्यम है, जो जानकारी को नि:शुल्क रूप से समग्र विश्व के सामने रख देता है। इन दिनों चिट्ठों पर पर्यावरण, तकनीक, सिनेमा, विज्ञान, राजनीति, सामाजिक समस्या, शिक्षा, साहित्य, समाचार, कृषि, कहानी, विज्ञापन, शोध पत्र आदि से संबंधित विचारों का आदान-प्रदान किया जाता है। आज दूर-दराज के लोग चिट्ठों के माध्यम से संपर्क करते रहते हैं। यह विश्व को एक-दूसरे के साथ जोड़ने के अलावा निजी संपर्क का माध्यम भी बन चुका है। ब्लॉगर अपने ब्लॉग की जानकारी सोशल मीडिया (फेसबुक, वाट्स एप, गूगल प्लस, ट्विटर) में शेयर करके ब्लॉग की पाठक संख्या बढ़ा सकता है।

- **ब्लॉग हानि :**

बहुत से लोग ब्लॉगिंग के क्षेत्र में पैसा कमाने नहीं बल्कि शौक के तौर पर आते हैं। लेकिन जैसे ही पैसे मिलने शुरू हो जाते हैं वैसे ही हताश, निराश, कुंठित या परेशान हो जाते हैं। इसके कारण अपना अमूल्य समय गँवा देते हैं। ब्लॉग से उनकी क्रियाशीलता कम हो जाती है। दरअसल ब्लॉगिंग करने का शौक होना चाहिए, फैशन होना चाहिए, पैसा तो खुद-ब-खुद आ ही जाएगा। ब्लॉग पर दूसरे की समग्री या कंटेंट बिना सहमति पोस्ट करना यानी कॉपीराइट कानून का उल्लंघन करना है। हालाँकि किसी की बिना अनुमति अश्लील तस्वीरें, नफरत, हिंसक और आपत्तिजनक कंटेंट ब्लॉग पर पोस्ट करने से बचना चाहिए, ताकि किसी की अवमानना न हो जाए।

संक्षेप में कहा जा सकता है कि ब्लॉग या चिट्ठा एक डिजिटल किताब की तरह होता है, जिसमें हर एक आलेख अलग जानकारी देता है। यह एक ऐसी सुविधा है जिसमें वेब होस्टिंग से जुड़कर किसी संस्थान या व्यक्ति को अभिव्यक्ति का ऑनलाइन मंच मिलता है और सम्मान भी। इसके तहत हर व्यक्ति, संस्थान, फर्म या संगठन अपना खुद का ब्लॉग बनाकर अपनी जानकारी करोड़ों लोगों को मुहैया कर सकता है। ब्लॉगिंग विचारों की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है और स्वयंरोजगार का भी। इसमें विचार सामाजिक, राजनीतिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, आर्थिक होते हैं। विचारों की स्वतंत्रता का यह एक सशक्त माध्यम आज अनेक व्यक्तियों की आय का साधन बन चुका है। अपने विचार दुनियाभर में पहुँचाने का इससे सस्ता एवं सरल माध्यम और कोई नहीं है। इसके माध्यम से आज कई ब्लॉगर सामाजिक सरोकार को प्रतिबद्धता का रूप देने और अभिव्यक्ति को संवेदना के साथ जोड़ने का महत्त्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। जन सरोकार से संबंधित विषयों को अभिव्यक्त करने की दृष्टि से हिंदी चिट्ठाकारिता एक सार्थक पहल है।

Scanned by CamScanner

सामाजिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक सरोकार के बलबूते हिंदी ब्लॉगिंग का सफर आज समयसीमा की दूरियों को पार करता हुआ हिंदी भाषा को वैश्विक धरातल पर स्थापित कर रहा है। ब्लॉगर सर्जनात्मकता को बढ़ावा दे रहा है, नई तकनीक एवं तरकीब सीखा रहा है और आय का सशक्त साधन बन रहा है। आज हिंदी अध्येता हिंदी ब्लॉगिंग के तहत हजारों रुपए प्रतिमाह कमा रहे हैं; जो एक अच्छा स्वयंरोजगार का माध्यम है। हालाँकि ब्लॉग दोतरफा सूचना-संदेश आदान-प्रदान का वह माध्यम है जो एक ही समय लाखों-करोड़ों लोगों तक पहुँचाता है।

2.4 स्वयं अध्ययन के लिए प्रश्न :

1) केविन सिस्ट्रॉम और माइक क्रेगर ने इंस्टाग्राम को ..... में लॉन्च किया।

क) 6 अक्तूबर, 2010 ख) 7 अक्तूबर 2011
ग) 8 अक्तूबर, 2012 घ) 10 अक्तूबर, 2013

2) फेसबुक ने वर्ष 2012 में इंस्टाग्राम का ..... बिलियन डॉलर में खरीद लिया।

क) दो ख) चार ग) तीन घ) एक

3) केविन सिस्ट्रॉम और माइक क्रेगर ने इंस्टाग्राम एप को खास कर ..... साझा करने के लिए डिजाइन किया है।

क) वीडियो ख) फोटो ग) टेक्स्ट घ) आडियो

4) इंस्टाग्राम का आरंभिक नाम ..... था।

क) इंस्टा ख) बर्बन ग) ग्राम घ) कैमेरा

5) फेसबुक, वाट्स एप, ट्विटर, इंस्टाग्राम और ब्लॉग ..... नेटवर्किंग के प्लॅटफॉर्म है।

क) वैयक्तिक ख) आर्थिक ग) सामाजिक घ) पारिवारिक

6) फेसबुक का पुराना नाम ..... है।

क) बुक ख) द फेसबुक ग) फेसबुक घ) फेस

7) फेसबुक का जन्म सन् ..... में हुआ।

क) 2005 ख) 2006 ग) 2007 घ) 2004

8) फेसबुक का निर्माण ..... ने किया।

क) माइक क्रेगर ख) केविन सिस्ट्रॉम ग) मार्क जुकेरबर्ग घ) ब्रुके एबलेसन

9) वाट्स एप की स्थापना ..... में हुई।

क) 2009 ख) 2004 ग) 2006 घ) 2005

Scanned by CamScanner

10) वाटस एप समूह में अधिकांश ..... सदस्य होते हैं।

क) 200 ख) 206 ग) 256 घ) 255

11) फेसबुक ने वाटस एप को ..... बिलियन अमेरिकी डॉलर में खरीद लिया।

क) 20.3 ख) 19.3 ग) 18.3 घ) 17.3

12) ट्विटर का जन्म ..... में हुआ।

क) 2005 ख) 2007 ग) 2004 घ) 2006

13) ट्विटर का संदेश ..... कैरेक्टर में होता है।

क) 130 ख) 140 ग) 150 घ) 140

14) जोरन बारगेर ने ब्लॉग को मजाक में ..... कहा था।

क) we blog ख) blog ग) web blog घ) blogger

15) ..... अमेरिकन छात्र ने विश्व का पहला ब्लॉग links.net बनाया।

क) माइक क्रेगर ख) केविन सिस्ट्रॉम ग) जूस्टिन हैल घ) मार्क जुकेरबर्ग

16) हिंदी भाषा के प्रथम चिट्ठाकार ..... ने नौ दो ग्यारह (9211) ब्लॉग बनाया।

क) माइक क्रेगर ख) आलोक कुमार ग) जूस्टिन हैल घ) मार्क जुकेरबर्ग

17) हिंदी चिट्ठों की आलोचना ..... ने शुरू की।

क) रवींद्र प्रभात ख) आलोक कुमार ग) जूस्टिन हैल घ) मार्क जुकेरबर्ग

2.5 पारिभाषिक शब्द, शब्दार्थ :

1) इंस्टाग्राम-इंटरनेट आधारित फोटो साझाकरण एप्लिकेशन या एक मोबाइल, डेक्सटॉप एप।

2) फेसबुक- इंटरनेट पर स्थित एक नि:शुल्क सामाजिक नेटवर्किंग सेवा।

3) वाट्स एप - इंटरनेट आधारित तत्काल संदेश आदान-प्रदान करने वाली मेसेजिंग सेवा।

4) ट्विटर-चहचहाना।

5) ब्लॉग-चिट्ठा, चर्चा करने या सूचना देने वाली वेबसाइट।

6) इंटरनेट-अंतरजाल।

2.6 स्वयं अध्ययन के प्रश्नों के उत्तर :

अ) 1) 6 अक्तूबर, 2010, 2) एक, 3) फोटो, 4) बर्बन, 5) सोशल, 6) ख) द फेसबुक, 7) घ) 2004, 8) ग) मार्क जुकेरबर्ग, 9) क) 2009, 10) ख) 206, 11) ख) 19.3,

Scanned by CamScanner

12) घ) 2006, 13) ख) 140, 14) क) we blog, 15) ग) जूस्टिन हैल,

16) ख) आलोक कुमार, 17) क) रवींद्र प्रभात।

2.7 सारांश :

1. आज फेसबुक, वाट्स एप, ट्विटर, इंस्टाग्राम और ब्लॉग ऐसे सामाजिक नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म है; जो परिजनों एवं दोस्तों को एक-दूसरे के साथ कनेक्ट करते हैं।

2. इंस्टाग्राम एक सामाजिक मीडिया एप है; जो संदेश आदान-प्रदान के काम आता है। केविन सिस्ट्रॉम और माइक क्रेगर ने खास फोटो साझा करने के लिए इंस्टाग्राम का डिजाइन किया है। फोटो और वीडियो शेयरिंग के साथ त्वरित संदेश आदान-प्रदान की यह गतिशील प्रणाली है। कला-कौशल को बढ़ावा देना, मनोरंजन करना, अपनी पहुँच को बढ़ावा देना, लोकप्रियता हासिल करना, पसंदीदा व्यक्तियों से जुड़ना, फोटो सैल करना, पैसा कमाना, ग्राहक के साथ आसानी से जुड़ना, बेहतर रिव्यू पाना, एक-दूसरे के सवाल-जवाब करना, दोस्तों को फोटो या वीडियो शेयर करना, विज्ञापन देना, नए दोस्तों को जोड़ना, ग्राहकों को लक्ष्य करके डाटा संकलित करना आदि महत्त्वपूर्ण कार्य इंस्टाग्राम द्वारा आसानी से किए जा सकते हैं।

3. वाट्स एप एक संदेश आदान-प्रदान करने, फ्री कॉल्स करने, फ्री वीडियो कॉल करने, एनिमेशन, फोटो, डाक्यूमेंट, ऑडियो-वीडियो आदान-प्रदान करने का सामाजिक माध्यम है। प्रयोगकर्ता का लोकेशन भी वाट्स एप के जरिए ट्रैक किया जा सकता है। यह एक नि:शुल्क एवं दो-तरफा संदेश आदान-प्रदान का सोशल माध्यम है।

4. फेसबुक एक नि:शुल्क सामाजिक नेटवर्किंग की विश्वव्यापी सुविधा है। फेसबुक जाने-पहचाने दोस्त और परिजनों के साथ संदेश आदान-प्रदान करने का सशक्त माध्यम है। फेसबुक का जन्म वर्ष 2004 में मार्क जुकेरबर्ग ने किया। फेसबुक द्वारा विद्यालय, महाविद्यालय और विश्वविद्यालयों, विभिन्न संगठनों के बीच नेटवर्किंग किया जा सकता है। फेसबुक द्वारा यूजर्स अपने मनचाहा विचार एक-दूसरे के साथ साझा कर सकते हैं और एक-दूसरे का मनोरंजन कर सकते हैं।

5. ट्विटर सोशल नेटवर्किंग का संक्षिप्त संदेश आदान-प्रदान का महत्त्वपूर्ण माध्यम है। यह एक ऐसी लघु संदेश सेवा प्रणाली है, जो बातचीत को सार्वजनिक करती है। ट्विटर या चिर्विर एक नि:शुल्क सामाजिक मंच है जो अद्यतन जानकारी देने, संवाद आदान-प्रदान करने, एक-दूसरे के साथ निरंतर जुड़े रहने और अद्यतन समाचार देने की सुविधा प्रदान करता है।

6. सामाजिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक सरोकार के बलबूते हिंदी ब्लॉगिंग का सफर आज समयसीमा की दूरियों को पार करता हुआ हिंदी भाषा को वैश्विक धरातल पर स्थापित कर रहा है। ब्लॉगर की सर्जनात्मकता को बढ़ावा दे रहा है, नई तकनीक एवं तरकीब सीखा रहा है और आय का सशक्त साधन बन रहा है। आज हिंदी अध्येता हिंदी ब्लॉगिंग के तहत हजारों रुपए प्रतिमाह कमा रहे हैं; जो एक स्वयंरोजगार का बहुत ही सुनहरा

Scanned by CamScanner

अवसर है। हालाँकि ब्लॉग दोतरफा सूचना-संदेश आदान-प्रदान का वह माध्यम है जो एक ही समय लाखों-करोड़ों लोगों तक पहुँचता है।

2.8 स्वाध्याय :

1) इंस्टाग्राम पर पनपी हिंदी भाषा अध्ययन कीजिए।

2) फेसबुक की हिंदी भाषा का शिल्पगत अध्ययन कीजिए।

3) वाट्स एप पर संचरित भाषा का अध्ययन कीजिए।

4) ट्विटर की भाषा का विवेचन कीजिए।

5) विभिन्न हिंदी ब्लॉग पर प्रकाशित साहित्य का सामाजिक अध्ययन कीजिए।

2.9 क्षेत्रीय कार्य :

1) इंस्टाग्राम की कार्यप्रणाली लिखिए।

2) फेसबुक का परिचय दीजिए।

3) वाट्स एप का महत्त्व विशद कीजिए।

4) ट्विटर का परिचय दीजिए।

5) ब्लॉगिंग के लाभ स्पष्ट कीजिए।

6) ब्लॉग का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

2.10 अतिरिक्त अध्ययन के लिए संदर्भ ग्रंथ :

1. संजीव मनोहर साहिल – मोबाइल और बाजारवाद, जनवाणी प्रकाशन प्रा. लि., 30/35-36, गली नं.9, विश्वास नगर, दिल्ली-110 032, संस्करण: 2016.
2. www.blogger.com
3. hi.m.wikipedia.org
4. https://hindi.thebetterindia.com
5. https://readerblogs.navbharattimes.indiatimes.com
6. http://freeblogcreate.blogspot.com
7. https://webinhindi.com

●●●

Scanned by CamScanner